Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

05 नवम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 27 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

Periodicity- Weekly

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

डुंगलावदा-भाटखेड़ा रोड़ की दुर्दशा से अब मुक्ति मिलने वाली है...

तीव्र गति और गुणवत्ता वाले फोरलेन रोड़ से लोगों की परेशानी भरा सफर होगा आसान

नीमच (ऐश्वर्य शर्मा (पवन)) । विधायक दिलीपसिंह परिहार अपनी चौथी पारी में शानदार और ऐतिहासिक बल्लेबाजी करते नजर आ रहे है, विधानसभा में कई प्रमुख समस्याओं के समाधान कर दिए है जो अभी तक किसी ने नही किए। इस बार की पारी में वे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेंट पर ज्यादा जोर देते दिखाई दे रहे है। दो-दो फ्लाई ओवर ब्रिज, भाटखेड़ा से डुंगलावदा तक 133 करोड़ लागत की 16 कि.मी. फोरलेन आंतरिक सड़क निर्माण, गांव गांव की सड़कें, भादवामाता लोक जैसे बड़े प्रोजेक्ट पूरी गति से करवाने के प्रयासों में लगे है। नीमच में जहाँ दशकों से डुंगलावदा से भाटखेड़ा तक के लगभग 16 किमी के शहर के भीतर से होकर गुजरने वाले रोड़ ने आम जनता का जीवन धूल और जानलेवा गड्ढों से दुर्भर कर रखा था... अब उससे जल्द ही मुक्ति मिल जाएगी। पिछले लंबे समय से लोगों की मांग थी कि यह सड़क जल्द से जल्द बनाई जाए, बारिश के दिनों में रोजाना हादसे होते थे, विपक्ष भी बार बार सत्ताधारियों को घेरने में लगा रहता था। अब जब विधायक दिलीप सिंह परिहार ने भविष्य की मांग को देखते हुए जहां एक ओर हिंगोरिया से हवाईपट्टी रोड़ पर ओवर ब्रिज के निर्माण पूर्णता की ओर ले आए है तो वहीं 133 करोड़ की लागत से बनने वाली डूंगलावदा से भाटखेड़ा फंटे तक अब बेहतरीन गुणवत्तापूर्ण और शानदार फोरलेन इनर रोड़ के निर्माण को पूरी गति दिलवा रखी है। आलोचकों के विकास रूपी टेप से मुंह बंद कर दिए है। सड़क ठेकेदार भी भारी साधन-संसाधनों के दम पर पूरी गति से कार्यावधि में अपना काम निपटाने में लगा है। विधायक दिलीपसिंह परिहार भी अपने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर खुद पैनी नजर बनाए हुए है, कोई लेटलतीफी और कोई कौर-कसर नही रहने देने वाले है। एक तरफ हिंगोरिया फ्लाई ओवर ब्रिज तो उसके साथ साथ शहर सहित 5 गांवों से होकर गुजरने वाली फोरलेन सड़क विकास को पंख लगा रही है।

डुंगलावदा से भाटखेड़ा तक जो रोड़ निर्माण हो रहा है वह भी देखने योग्य है, पहली बार किसी ठेकेदार को इतने गति और गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए देखने को मिल रहा है, टेंडर होते ही पूरे लावलश्कर के साथ काम हो रहा है। हालांकि कुछ दिक्कतें जरूर बेमौसम बारिश की वजह से लोगों को कुछ आवाजाही में हुई थी, लेकिन फिर भी सालों की समस्या का हल तो हो रहा है। वैसे सड़क ठेकेदार की सड़क गुणवत्ता का अंदाजा उसके द्वारा जो सड़क के दोनों और नाली निर्माण की जा रही है उसमें जो भरपूर सरिये लगाए जा रहा है, उससे ही लगाया जा सकता है। वहीं नीमच के बघाना में भी रेलवे ओवर ब्रिज बनना है, लेकिन वहां काम शुरू ही नही हो पाया है, विधायकजी वहां भी काम शीघ्रता से शुरू करवा कर उपनगर की समस्या का भी निदान करवाएं और सालों पुरानी मांग को पूर्णता की ओर ले जाए। विधायक जी के साथ साथ कलेक्टर हिमांशु चंद्रा भी जिले में चल रहे बड़े प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर समय समय पर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर विकासकार्यों को पूर्णता की ओर ले जाने में जुटे है। खैर जो भी हो जल्द से जल्द ये ओवर ब्रिज और सड़क बन कर पूर्ण हो तो लोगों को राहत मिले।

मध्यप्रदेश में किसानों की आय में नई छलांग, भावांतर योजना से बढ़ा आत्मविश्वास, मिला फसलों का वाजिब मूल्य

नीमच । मध्यप्रदेश सरकार किसानों की खुशहाली और आय वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य में भावांतर भुगतान योजना को सशक्त रूप से लागू किया गया है। यह योजना किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और बाजार की अस्थिर कीमतों से सुरक्षा प्रदान करने का एक प्रभावी माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (PM-AASHA) के अंतर्गत संचालित यह योजना "प्राइस डिफिसिट स्कीम" के रूप में काम करती है। इसके तहत यदि किसान अपनी फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से कम दर पर बेचते हैं, तो सरकार बिक्री मूल्य और एमएसपी के बीच के अंतर की राशि सीधे किसानों के खाते में जमा करती है।

राज्य में इस वर्ष इसकी शुरुआत सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए की गई है। नीमच जिले में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच, जावद और मनासा मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, सटीक तोल-काटा और पारदर्शी नीलामी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक मंडी में हेल्प डेस्क और नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। जिले के 15,956 किसानों ने भावांतर योजना में पंजीयन कराया है। बारिश जैसी चुनौतियों के बावजूद किसान उत्साह से अपनी उपज मंडियों में बेच रहे हैं। अब तक नीमच मंडी में 250 किसानों से ज्यादा और मनासा मंडी में 150 किसानों द्वारा सोयाबीन की बिक्री की जा चुकी है, वहीं जावद मंडी में भी किसानों के द्वारा लगातार भावांतर के अंतर्गत सोयाबीन बेची जा रही है।

दोनों किसानों का एक साथ फोटो लगाना - किसान इस योजना से अत्यंत प्रसन्न हैं। गांव रामपुरिया के किसान दलसिंह ने बताया कि "भावांतर योजना से मुझे 1,000 से 1,500 रुपये प्रति क्विंटल का लाभ हुआ है। सरकार की यह पहल हमारे लिए बहुत लाभदायक है।" वहीं गांव कनावटी के किसान भेरूलाल अहीर ने कहा कि "हमारी उपज 3,698 रुपये प्रति क्विंटल बिकी, लेकिन भावांतर योजना के तहत हमें 5,328 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिला, जिससे लगभग 1,700-1,800 रुपये का लाभ हुआ। मुख्यमंत्री का धन्यवाद, जिन्होंने यह योजना लागू की।

इनका कहना...

नीमच कृषि उपज मंडी के प्रशासक संजीव साहू ने बताया कि "भावांतर योजना के अंतर्गत किसानों को एमएसपी और बाजार दर के अंतर की राशि सीधे उनके खातों में जमा की जा रही है। जिलेभर में पंजीयन और खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी है।" भावांतर भुगतान योजना ने किसानों को न केवल आर्थिक राहत दी है, बल्कि उनमें आत्मनिर्भरता और विश्वास की नई ऊर्जा भी भरी है। यह योजना मध्यप्रदेश को कृषि सशक्तिकरण और किसान सम्मान की दिशा में अग्रणी राज्य बना रही है।

भारत बना चैंपियन

भारत बना वुमेन्स क्रिकेट वर्ल्डकप का सरताल

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आखिरकार वह कर दिखाया जिसका इंतजार सालों से था ! टीम इंडिया ने आईसीसी विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 52 रनों से करारी शिकस्त देकर पहली बार विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है। फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका को 299 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। इस स्कोर तक पहुँचने में युवा सनसनी शेफाली वर्मा की विस्फोटक 87 रनों की पारी ने अहम भूमिका निभाई। हालाँकि, वह शतक से चूक गई, लेकिन उनकी और स्मृति मंधाना (45 टन) की ओपनिंग साझेदारी ने एक मज़बूत नींव रखी। बाद में, कप्तान हरमनप्रीत कौर (20 रन) और जेमिमा रॉड्रिग्स (24 रन) ने उपयोगी योगदान दिया, जिससे भारत 298 के स्कोर तक पहुँच सका।

रोमांचक आंकड़े और रिकॉर्ड्स - साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वाट्ट विश्व कप टूर्नामेंट में 1328 रनों के साथ सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज़ बन गईं। उन्होंने भारत की मिताली राज (1321 रन) को पीछे छोड़ा।

एमपीआईडीसी उज्जैन (मप्र शासन) के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ का आधिकारिक बयान, सभी भ्रांतियों और अफवाहों का जवाब

मोरवन क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये के निवेश से लगने वाली 'सुविधि रेयॉन्स' फैक्ट्री को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों से जनता गुमराह न हों : मप्र शासन

नीमच 3 नवंबर (निप्र)। नीमच जिले के मोरवन क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये की भारी-भरकम निवेश से 31 हेक्टेयर भूमि पर 'सुविधि रेयॉन्स' नामक आधुनिक कपड़ा इकाई स्थापित हो रही है। मध्य प्रदेश सरकार की औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत आवंटित इस परियोजना से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है। फैक्ट्री मुख्य रूप से तीन कार्य करेगी- कपड़ा बुनाई, प्रोसेसिंग और गारमेंट सिलाई।

इससे लगभग 1500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, जिनमें अधिकांश स्थानीय युक्क, युवतियां और महिलाएं होंगी। खेतों में दिहाड़ी मजदूरी करने वाले ग्रामीणों को घर के पास ही स्थायी, सम्मानजनक नौकरी का अवसर मिलेगा। इससे न केवल व्यक्तिगत आय बढ़ेगी, बल्कि पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों का नया तंत्र विकसित होगा।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति फैक्ट्री की प्रतिबद्धता इसका सबसे मजबूत पक्ष है। यह 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ZLID) तकनीक पर आधारित होगी, जिसका अर्थ है कि फैक्ट्री से एक बूंद भी गंदा पानी बाहर नहीं निकलेगा। प्रक्रिया में प्रयुक्त जल को टैंकों में एकत्रित कर RO से शुद्ध किया जाएगा। नाएगा। शुद्ध जल सिस्टम, मल्टी स्टेज फिल्टर और थर्मल वाष्पीकरण तकनीक का पुनर्चक्रण फैक्ट्री के भीतर ही होगा बुनाई, घुलाई, गार्डनिंग, टॉयलेट और सफाई जैसे कार्यों में। शेष गाढ़ा अपशिष्ट (स्लज) सुखाकर ठोस रूप में परिवर्तित किया जाएगा और सरकारी मान्यता प्राप्त अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों या सीमेंट उद्योगों में भेजा जाएगा। इससे न तो जैम का जल दूषित होगा, न खेतों में रिसाव होगा और न ही पशु-पक्षियों पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

मोरवन हैम के जल पर किसानों का प्रथम अधिकार अक्षुण्ण रहेगा। सिचाई और स्थानीय उपयोग के बाद बचा जल ही फैक्ट्री को आवंटित किया जाएगा। साथ ही, वैकल्पिक जल स्रोतों की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि स्थानीय जरूरतों पर कोई दबाव न पड़े।

वायु प्रदूषण नियंत्रण भी अत्याधुनिक है। बॉयलर में मुख्य स्वच्छ बायोमास (धान की भूसी पराली) का उपयोग होगा। कोयला केवल अत्यंत सीमित मात्रा में और आपात स्थिति में प्रयुक्त होगा। धुएं को नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ESP), बैग फिल्टर और रियल-टाइम ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। ये उपकरण धूल, राख और हानिकारक गैसों को 99% तक रोक लेंगे। शेष फ्लाई ऐश का पुनरुपयोग ईंट भट्टी, सड़क निर्माण और सीमेंट उद्योग में होगा, जिससे कचरा भी उपयोगी संसाधन बन जाएगा। पर्यावरण विभाग को नियमित रिपोर्ट भेजी जाएगी, ताकि पारदर्शिता और अनुपालन सुनिश्चित रहे। आर्थिक लाभ बहुआयामी है। किसान अपनी फसल अवशेष (भूसी, पराली) बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करेंगे। माल परिवहन से ट्रक, टेम्पो चालकों को नियमित काम मिलेगा। स्थानीय दुकानें, होटल, चाय की दुकानें, सब्जी-राशन विक्रेता सबकी ग्राहकी बढ़ेगी। महिलाओं को सिलाई, पैकिंग, सफाई जैसे कायों में प्राथमिकता मिलेगी, जिससे घरेलू आय और आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी। बिजली मिस्त्री, प्लंबर, मशीन ऑपरेटर जैसे कुशल अकुशल श्रमिकों को भी स्थायी रोजगार मिलेगा। फैक्ट्री परिसर में सघन वृक्षारोपण, हरियाली और बंद प्रणाली से धूल-बदबू पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा। श्रमिकों के लिए एयर कंडीशनड हॉल में काम का बेहतर वातावरण होगा, जो खुले खेतों की तुलना में कहीं अधिक आरामदायक और सुरक्षित है। कुल मिलाकर, 'सुविधि रेयॉन्स केवल एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि मोरवन के लिए समृद्धि, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण का जीवंत मॉडल है।

कुछ लोगों द्वारा फैलाई जा रही अफवाहें निराधार हैं। यह परियोजना आधुनिक तकनीक, पारदशी नीति और सामुदायिक विकास के सिद्धांतों पर आधारित है। एमपीआईडीसी उज्जैन के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ के अनुसार, यह क्षेत्र को आर्थिक उन्नति की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

अमित शाह का मिशन जय -विजय , नीतीश और महागठबंधन

कुमार कृष्णन

बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रूके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सपना अगले पाँच दशकों तक पंचायत से लेकर संसद तक भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में देखना है। नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में भाजपा अध्यक्ष के रूप में, शाह ने पार्टी कार्यकताओं से बार-बार इस दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया था। बिहार का उस सपने में एक विशेष स्थान है। शाह 2015 में उनके नेतृत्व में राज्य में भाजपा को मिले उस झटके को नहीं भूले हैं, जब समाजवादी दिग्गज लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने भाजपा की सत्ता की कोशिश को विफल करने के लिए हाथ मिलाया था। उनके करीबी लोगों के अनुसार, बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात–भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला–शाह को खटक रहा है। नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस आ गए हैं, लेकिन भाजपा के एकछत्र शासन की उनकी आकांक्षा अभी भी अधूरी है। बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रूके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मुंगेर व खगड़िया की धरती पर पांच वर्ष बाद उनका यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना था। इससे पूर्व 2020 के विधानसभा चुनाव में वे मुंगेर आए थे। इस बार नौवागढ़ी में आयोजित जनसभा के माध्यम से वे न सिर्फ मुंगेर, बल्कि आसपास के जिलों खगड़िया, बांका, लखीसराय और जमुई के एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में वोट की अपील की। इससे पहले खगड़िया में खगड़िया मुख्यालय (संसारपुर मैदान) की सभा रद्द होने से तेजस्वी यादव भड़क उठे।इसे तानाशाही रवैया करार दिया। तेजस्वी ने आरोप लगाया, भाजपा और प्रशासन को जनता की भीड़ से डर लग रहा है। लेकिन जनता अब किसी के दबाव में आने वाली नहीं है। जनता का मूड भांपना कठिन है। मुंगेर में

मंच पर पहुंचने के बाद अमित शाह ने देखा कि दर्शक दीर्घा में कुर्सियां खाली हैं। स्वागत समारोह के दौरान, भीड़ कम होने पर उन्होंने मंच संचालन कर रहीं अंजू भारद्वाज को इशारा किया और प्रदेश अध्यक्ष से संबोधन शुरू करने को कहा। इसी बीच, गृह मंत्री अपनी कुर्सी से उठकर खड़े हो गए और मंच से ही सुरक्षा में लगे पुलिस जवानों को निर्देश दिया कि वे चेकिंग हटा दें और लोगों को बिना जांच के कार्यक्रम स्थल पर आने दें। अमित शाह जंगल राज का हवाला देते रहे है।वहीं दूसरी ओर महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ एनडीए के साथ चुनावी जंग शुरू कर दी, जिसकी सरकार ने बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान कई मुफ्त योजनाओं की घोषणा की थी।

वहीं महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में घोषित तेजस्वी यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में सत्तारूढ़ राजग खत्म होने की राह पर है और महागठबंधन के नेतृत्व वाली राज्य की नई सरकार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में डाल देगी। यह कहकर मुस्लिम मतदाताओं की ओर जहां पासा फेंका, वहीं उन्होंने सत्ता में आने पर पंचायत प्रतिनिधियों के भत्ते दोगुने करने और उन्हें पेंशन देने का वादा किया। उन्होंने बढ़ई, कुम्हार और नाइयों को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त व्यावसायिक ऋण देने का वादा किया।तेजस्वी, ने पहले हर परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने और संविदा कर्मचारियों को स्थायी रोजगार देने का वादा किया था, ने अपने व्यापक कल्याणकारी एजेंडे के वित्तीय रोडमैप का ब्यौरा देने से परहेज किया।जब उनसे पूछा गया कि नकदी की तंगी की स्थिति में वे धन का प्रबंध कैसे करेंगे, तो उन्होंने कहा, हमने वैज्ञानिक अध्ययन किया है और यह किया जा सकता है। तेजस्वी अपने वादे पूरे करते हैं।

तेजस्वी ने पटना में मीडिया से कहा, महागठबंधन की सरकार बनने पर हम बिहार की त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था और ग्रामकचहरी के प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना कर देंगे।पंचायतों और ग्राम कचहरियों के प्रतिनिधि पेंशन की मांग कर रहे हैं। हमने तय किया है कि उन्हें पेंशन मिलेगी और साथ ही 50 लाख रुपये का बीमा कवरेज भी मिलेगा।

तेजस्वी के बड़े-बड़े वादे नीतीश कुमार सरकार की नवीनतम घोषणाओं से आगे निकलने की उनकी उत्सुकता को दशार्ते हैं।विधवाओं और विकलांगों के लिए पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये प्रति माह करने के अलावा, नीतीश ने ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 1 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपये की नकद राशि हस्तांतरित की है । जून में, राज्य सरकार ने बिहार की 8,053 ग्राम पंचायतों, 533 पंचायत समितियों और 38 जिला परिषदों के प्रतिनिधियों के भत्ते और अन्य लाभ बढ़ा दिए।नीतीश ने जिला परिषद अध्यक्षों का मासिक भत्ता रू. 20,000 से बढ़ाकर रू. 30,000 कर दिया है , उपाध्यक्षों का मासिक भत्ता रू. 10,000 से बढ़ाकर ? 20,000 कर दिया है। मुखियाओं (पंचायत प्रमुखों) का मासिक भत्ता रू. 5,000 से बढ़ाकर रू. 7,500 कर दिया गया है ।तेजस्वी का बढ़ई, कुम्हार और नाई जैसे कारीगरों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा, अति पिछड़े वर्गों तक पहुंच बनाने का प्रयास प्रतीत होता है। तेजस्वी ने कहा, बिहार बदलाव के लिए तरस रहा है; लोग वर्तमान सरकार से तंग आ चुके हैं।

राजनीतिक गलियारे में बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात–भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला–शाह को खटक रहा है। इसलिए गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं, 'मैं यह तय करने वाला नहीं हूं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं। फिलहाल हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के बाद सभी सहयोगी दल बैठकर अपने नेता का चयन करेंगे।' अमित शाह ने यह कहकर अटकलें बढ़ा दीं कि भाजपा का संसदीय बोर्ड इस पर फैसला लेगा। तब से ही नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। यह सवाल भी किया जा रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने एकनाथ शिंदे के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। फिर जीत गए तो मुख्यमंत्री अपना बना लिया।

नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू केंद्र में भी एनडीए के साथ है और सरकार में शामिल है। भाजपा का अपने दम पर बहुमत नहीं है और जेडीयू के 12 सांसद हैं।

बार बिहार में भाजपा और जदयू बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि 2020 में जदयू को चुनाव लड़ने के लिए ज्यादा सीटें दी गई थीं। हालांकि, तब भी जदयू भाजपा के मुकाबले कम सीटों पर ही जीती थी। कम सीटों पर जीतने के बाद भी बीजेपी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर आधिकारिक तौर पर स्थिति एकदम साफ नहीं कर रही है तो इसके पीछे की वजहों पर भी चर्चा होने लगी है।

नीतीश कुमार, जिन्हें बहुत लोग राजनीति का 'चाणक्य' कहते हैं, जानते हैं कि मुश्किल समय में भी कैसे खुद को मजबूत और अहम बनाए रखना है। राज्य में शराब बंद करने के फैसले पर कई बार आलोचना हुई, लेकिन उन्होंने कई बार कहा, 'शराब बंदी पर मैं झुकने वाला नहीं हूँ.' यह दिखाता है कि वे अपने फैसलों में बहुत सख्त और अडिग रहते हैं। दूसरी तरफ, वे काफी लचीले भी रहे हैं. 2024 में एनडीए में लौटने के बाद, नीतीश ने वादा किया कि अब वे फिर से पार्टी नहीं बदलेंगे, जबकि पिछले 15 सालों में वे इसे अक्सर करते रहे हैं।

इन टूट-फूट और मेल-मिलाप के बावजूद, नीतीश कुमार फिर से सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य चेहरा बने हुए हैं। अब भी बने रहेंगे इसका फैसला बिहार के लोगों के हाथ में है. उनका वोट ही इस भ्रम को साफ करेगा, जब 14 नवंबर को चुनाव के नतीजे घोषित होंगे।

संपादकीय

कैसे फाड़ेंगे वक्फ कानून?

विपक्ष के मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव और राजद के कट्टरवादी छुटभैया नेता भी मुस्लिमवादी हैं। वे घोर मोदी-विरोधी हैं और अब भी उन्हें 2002 के गोधरा दंगों का 'खलनायक' करार देते हैं। देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुसलमानों के लिए भी उन्होंने योजनाएं बनाई हों, मुफ्त अनाज बांटा हो, देश के संसाधनों तक उनकी सहज पहुंच तय की हो, लेकिन वे मोदी को 'संहारक' मानते हैं। देश की सर्वोच्च अदालत का भी ऐसा कोई फैसला नहीं है, लेकिन ज्यादातर मुसलमान प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' बहुत छोटे और अनुपयुक्त शब्द हैं। वक्फ कानून का विरोध ही 'सांप्रदायिक' है। पहले तेजस्वी ने एक सार्वजनिक मंच से वक्फ संशोधन कानून की मुखालफत करते हुए हुंकार भरी थी कि बिहार में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार बनी, तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। अब राजद के विधान परिषद सदस्य कारी शोएब ने मुस्लिम वोट बैंक को उकसाने के मद्देनजर चुनावी मंच से धमकी-सी दी है कि जिन्होंने वक्फ बिल को समर्थन दिया था, उनका इलाज किया जाएगा। बिहार में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद वक्फ समेत ऐसे तमाम बिलों को फाड़ कर फेंक दिया जाएगा। यह कैसा अनर्गल अलाप और चुनाव-प्रचार है? संविधान के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और हाथों में संविधान की फर्जी प्रति लिए उसके 'रक्षक' होने का दंभ भरते हैं और सार्वजनिक मंचों से 'घोर असंवैधानिक' ऐलान करते हैं! सवाल है कि संसद के दोनों सदनों में पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या बिगाड़ सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा। जिस मुस्लिम छुटभैये ने 'इलाज' करने की धमकीनुमा भाषा का इस्तेमाल किया है, तो सवाल है कि कल्पित तेजस्वी सरकार किनका इलाज करेगी?

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है।

आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दु:ख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है। शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुख प्राप्त करता है।

एमपीआईडीसी उज्जैन (मप्र शासन) के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ का आधिकारिक बयान, सभी भ्रांतियों और अफवाहों का जवाब

मोरवन क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये के निवेश से लगने वाली 'सुविधि रेयॉन्स' फैक्ट्री को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों से जनता गुमराह न हों : मप्र शासन

नीमच 3 नवंबर (निप्र)। नीमच जिले के मोरवन क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये की भारी-भरकम निवेश से 31 हेक्टेयर भूमि पर 'सुविधि रेयॉन्स' नामक आधुनिक कपड़ा इकाई स्थापित हो रही है। मध्य प्रदेश सरकार की औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत आवंटित इस परियोजना से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है। फैक्ट्री मुख्य रूप से तीन कार्य करेगी- कपड़ा बुनाई, प्रोसेसिंग और गारमेंट सिलाई।

इससे लगभग 1500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, जिनमें अधिकांश स्थानीय युक्क, युवतियां और महिलाएं होंगी। खेतों मैं दिहाड़ी मजदूरी करने वाले ग्रामीणों को घर के पास ही स्थायी, सम्मानजनक नौकरी का अवसर मिलेगा। इससे न केवल व्यक्तिगत आय बढ़ेगी, बल्कि पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों का नया तंत्र विकसित होगा।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति फैक्ट्री की प्रतिबद्धता इसका सबसे मजबूत पक्ष है। यह 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ZLID) तकनीक पर आधारित होगी, जिसका अर्थ है कि फैक्ट्री से एक बूंद भी गंदा पानी बाहर नहीं निकलेगा। प्रक्रिया में प्रयुक्त जल को टैंकों में एकत्रित कर RO से शुद्ध किया जाएगा। नाएगा। शुद्ध जल सिस्टम, मल्टी स्टेज फिल्टर और थर्मल वाष्पीकरण तकनीक का पुनर्चक्रण फैक्ट्री के भीतर ही होगा बुनाई, घुलाई, गार्डनिंग, टॉयलेट और सफाई जैसे कार्यों में। शेष गाढ़ा अपशिष्ट (स्लज) सुखाकर ठोस रूप में परिवर्तित किया जाएगा और सरकारी मान्यता प्राप्त अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों या सीमेंट उद्योगों में भेजा जाएगा। इससे न तो जैम का जल दूषित होगा, न खेतों में रिसाव होगा और न ही पशु-पक्षियों पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

मोरवन हैम के जल पर किसानों का प्रथम अधिकार अक्षुण्ण रहेगा। सिचाई और स्थानीय उपयोग के बाद बचा जल ही फैक्ट्री को आवंटित किया जाएगा। साथ ही, वैकल्पिक जल स्त्रोतों की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि स्थानीय जरूरतों पर कोई दबाव न पड़े।

वायु प्रदूषण नियंत्रण भी अत्याधुनिक है। बॉयलर में मुख्य स्वच्छ बायोमास (धान की भूसी पराली) का उपयोग होगा। कोयला केवल अत्यंत सीमित मात्रा में और आपात स्थिति में प्रयुक्त होगा। धुएं को नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ESP), बैग फिल्टर और रियल-टाइम ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। ये उपकरण धूल, राख और हानिकारक गैसों को 99% तक रोक लेंगे। शेष फ्लाई ऐश का पुनरुपयोग ईंट भट्टी, सड़क निर्माण और सीमेंट उद्योग में होगा, जिससे कचरा भी उपयोगी संसाधन बन जाएगा। पर्यावरण विभाग को नियमित रिपोर्ट भेजी जाएगी, ताकि पारदर्शिता और अनुपालन सुनिश्चित रहे। आर्थिक लाभ बहुआयामी हैं। किसान अपनी फसल अवशेष (भूसी, पराली) बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करेंगे। माल परिवहन से ट्रक, टेम्पो चालकों को नियमित काम मिलेगा। स्थानीय दुकानें, होटल, चाय की दुकानें, सब्जी-राशन विक्रेता सबकी ग्राहकी बढ़ेगी। महिलाओं को सिलाई, पैकिंग, सफाई जैसे कायों में प्राथमिकता मिलेगी, जिससे घरेलू आय और आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी। बिजली मिस्त्री, प्लंबर, मशीन ऑपरेटर जैसे कुशल अकुशल श्रमिकों को भी स्थायी रोजगार मिलेगा। फैक्ट्री परिसर में सघन वृक्षारोपण, हरियाली और बंद प्रणाली से धूल-बदबू पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा। श्रमिकों के लिए एयर कंडीशनड हॉल में काम का बेहतर वातावरण होगा, जो खुले खेतों की तुलना में कहीं अधिक आरामदायक और सुरक्षित है। कुल मिलाकर, 'सुविधि रेयॉन्स कैवल एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि मोरवन के लिए समृद्धि, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण का जीवंत मॉडल है।

कुछ लोगों द्वारा फैलाई जा रही अफवाहें निराधार हैं। यह परियोजना आधुनिक तकनीक, पारदशी नीति और सामुदायिक विकास के सिद्धांतों पर आधारित है। एमपीआईडीसी उज्जैन के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ के अनुसार, यह क्षेत्र को आर्थिक उन्नति की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

स्वच्छता, साहित्य और संस्कृति का समन्वय - कृति की कार्तिक काव्य गोष्ठी एवं दीपावली मिलन में गूंजे काव्य स्वर

नीमच। स्वच्छता विकास अभियान संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर, क्षेत्र की अग्रणी साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था कृति के आह्वान पर कार्तिक काव्य गोष्ठी एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन गायत्री मंदिर परिसर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ श्रीमती रेणुका व्यास की सरस्वती वंदना "मैहर वाली मैहर कीजे, चरणों में जगह दीजे, कहीं राह भटक न जाऊं, घना अंधेरा छाए, अंतर ज्योति जगा दीजे" से हुआ। उनकी वाणी ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इसके बाद वरिष्ठ कवि अख्तर अली शाह 'अनंत' ने अपनी रचना प्रस्तुत की - "फकत कहने को बाकी है हमारे हाथ, अंकुश कहाँ चलती हमारी बात अब घर में।" कवि सलीम भाई ने हिंदी भाषा की महिमा को स्वर दिया -"हमारी आन है हिंदी, हमारी शान है हिंदी, हमारे दिल की धड़कन, हमारी जान है हिंदी।" श्रीमती मंजुला धीर की रचना ने संस्था कृति के विकास और समर्पण को रेखांकित किया- "एक नदी सी बहती रही कृति, उतार-चढ़ाव झेलती रही कृति, मिल साथ हमने रोपी थी लता, मधु मालती सी फैलती रहे कृति। रेणुका, उर्मिला, निर्मला, माधुरी, साधना, अर्चना, मीना सभी सदस्यों के त्याग से फले-फूले कृति।"

श्रीमती वंदना नातेश्वरी ने दीपावली की पावनता और आनंद को भावनात्मक शब्दों में पिरोया - "तुम अगर हो साथ तो दीपावली, नेहा की बात हो तो दीपावली। मेरा सुख भी आपको सपना लगे, ऐसी है सौगात तो दीपावली।"

वरिष्ठ कवि निरंजन गुप्ता 'राही' की रचना में विचारों की गहराई थी - "जो हो गया पूरा नहीं वादा रहा, जो हो गए तामीर नहीं ख्वाब रहे, मैं कलम से मुकम्मल मांगता हूं यह दुआ, एक शरारा सोच का रोशन रहे।" कवि दिलीप दुबे ने अपनी रचना में जीवन की पीड़ा और मुस्कान के द्वंद्व को संवेदनशीलता से व्यक्त किया - "मैं रोशनी से कई ज़ख्म खाए बैठा हूँ, अंधेरों से घर सजाए बैठा हूँ। हंसी जहां के लिए लबों पर सजाए बैठा हूँ, पलकों में आशिक सभी से छुपाए बैठा हूँ।" कवि किशोर जेवरिया की पंक्तियाँ आत्ममंथन की गहराई लिए थीं - "कभी-कभी अल्फ़ाज़ भी रूह जाते हैं, मतलब हो तो बेगाने भी साथ आते हैं। मीठी-मीठी बातों से बहक न जाना, लोग मीठे में ज़हर भी बेच जाते हैं। आती-जाती सांसों से ज़िंदा न समझो, मरे हुए लोग ज़िंदा नज़र आते हैं।"

कवयित्री आशा सांभर ने राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रकट करते हुए कहा - "तुम्हारा नाम के मंदिर नहीं बने हैं, कभी न मस्जिद को सजदा किया है कभी। वही रुतबा ज़मीन-ए-हिंद ने दिया है, जहां भी प्यार से थपकी दी मां भारती ने।" डॉ. प्रेरणा ठाकरे ने नारी की शक्ति और आत्मगौरव को रेखांकित करते हुए कहा - "मेरे केवल होने से घर भी घर हो जाता है, मैं भारत की बेटी हूँ, हर जंग जीतना आता है। मैं सृष्टि की व्यास पीठ पर रचना धर्म निभाती हूँ, सीता बनकर स्वाभिमान की हर सीढ़ी चढ़ जाती हूँ।"

वरिष्ठ साहित्यकार राधेश्याम शर्मा एवं कवयित्री महक शर्मा ने भी अपनी रचनाओं से कार्यक्रम को समृद्ध किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाश अहीर (ट्रस्टी, गायत्री मंदिर) एवं इंजी. बाबूलाल गौड़ (अध्यक्ष, स्वच्छता विकास अभियान संस्था) कृति अध्यक्ष डॉ. अक्षय राजपुरोहित और सचिव कमलेश कुमार जायसवाल मंचासीन थे।

स्वच्छता विकास अभियान संस्था के अध्यक्ष इंजी. बाबूलाल गौड़ ने अपने उद्बोधन में संस्था के 11 वर्षों के कार्यों की झलक प्रस्तुत करते हुए बताया कि अभी तक हम 800 दिन काम कर चुके हैं तथा 2014 से निरंतर यह अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि "जब तक समाज के जागरूक नागरिक स्वयं आगे नहीं आएंगे, तब तक कोई भी सरकारी उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता।"

इस अवसर पर स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्वच्छता योद्धाओं रमेश मोरे, रंजन स्वामी और कमल कुमार शर्मा को कृति संस्था द्वारा उपर्णा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। स्वागत उद्बोधन में कृति अध्यक्ष डॉ. अक्षय राजपुरोहित ने कहा "आज जब हम स्वच्छता, संस्कृति और साहित्य का संगम एक ही मंच पर देख रहे हैं, तो यह केवल काव्य का उत्सव नहीं, बल्कि स्वच्छ भारत, सृजनशील भारत और संवेदनशील भारत का प्रतीक है। दीपावली के दीप केवल घरों में नहीं, हमारे विचारों और आचरण में भी जलें।"

कार्यक्रम में कृति संस्था के पूर्व अध्यक्ष एवं साहित्यकार ओमप्रकाश चौधरी का चार धाम यात्रा सकुशल संपन्न करने पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कृति संस्था के योगेश पाटीदार, प्रकाश भट्ट, शैलेंद्र पौडवाल, डॉ. पृथ्वी सिंह वर्मा, राधेश्याम पाटीदार, सत्येंद्र सिंह राठौड़, डॉ. साधना सेवक, उमराव सिंह गुर्जर, मीनू लालवानी, स्वच्छता योद्धा किशोर कुमार कणिक, डॉ.महेश शर्मा के साथ ही गायत्री परिवार के सदस्य एवं नगर के साहित्य प्रेमी और स्वच्छता विकास अभियान संस्था के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मंजुला धीर एवं अंत में कृति सचिव कमलेश कुमार जायसवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

इन आसान ट्रिक्स से करें नकली पनीर की पहचान

आजकल बाजार में खाने से लेकर पहनने वाली चीजों तक सब में मिलावट है। ऐसे में कई जगहों पर नकली पनीर बनाने का काम चल रहा है। इसलिए जरूरी है नकली पनीर की जांच करना सही पनीर खरीदाना बेहद जरूरी है। इसलिए हम आपको आज बताएंगे कि आप किस तरह से नकली पनीर की पहचान कर सकते हैं।

कैसे बनता है नकली पनीर?

नकली पनीर खराब दूध, आटा, डिटर्जेंट पाउडर, पामोलिन तेल, ग्लिसरॉल मोनोस्टियरेट पाउडर और सल्फ्यूरिक एसिड जैसे केमिकल मिलाकर बनाया जाता है, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं। इससे बचने के लिए जरूरी है असली पनीर की पहचान करना।

ऐसे चेक करें पनीर की शुद्धता

गर्म पानी से डालें

पनीर की शुद्धता जांचने के लिए सबसे पहले इसे थोड़ी देर के लिए गर्म पानी में उबालें। इस पानी में सोयाबीन का आटा और अरहर की दाल का पाउडर डालें। आटा मिलाने के बाद नकली पनीर का रंग लाल होने लगता है, ऐसा इसलिए होता है कि पनीर बनाते समय डिटर्जेंट और यूरिया जैसे केमिकल चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। जिसकी वजह से इसका रंग लाल हो जाता है।

पनीर को पानी में उबालें

पनीर को जांचने का दूसरा तरीका यह है कि आप पानी में पनीर को उबालें फिर ठंडा कर लें। अब इस एक पनीर के टुकड़े में टिंचर आयोडीन की कुछ ड्राप डालें। अगर पनीर का रंग नीला हो जाता है, तो समझ जाएं कि यह पनीर मिलावटी है। बता दें कि टिंचर आयोडीन एक एंटीसेप्टिक दवाई होती है, जिसे घाव पर लगाया जाता है। यह आपको मेडिकल शॉप पर आसानी से मिल जाता है।

वहीं असली पनीर की पहचान आप उसकी खुशबू से भी लगा सकते हैं। आपको इस बारे में पता होना चाहिए कि असली पनीर से दूध जैसी खुशबू आती है। वहीं नकली से कोई खुशबू नहीं आती है।

मिक्सर जार की पत्तियां होंगी नई जैसी चमकदार, अपनाएं ये आसान हैक्स

मिक्सी घर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला किचन अप्लायंस है। मसाले पीसने से लेकर शेक बनाने तक, यह हर दिन काम आता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी समस्या है। जार और उसकी पत्तियों की सफाई। अगर सही से सफाई न हो तो पत्तियों में जंग लगने लगती है और जार जल्दी खराब हो सकता है। आज हम आपको एक ऐसा कोल्ड ड्रिंक हैक बता रहे हैं जिससे आपका जार चमक उठेगा और पत्तियां आसानी से साफ हो जाएंगी।

मिक्सर जार की पत्ती कैसे साफ करें?

मिक्सर जार की पत्तियों की सफाई के लिए यह एक आसान और असरदार तरीका है। सबसे पहले जार को उल्टा कर लें और उसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा डालें। अगर बेकिंग सोडा नहीं है तो नींबू का रस भी डाल सकती हैं। इसके बाद इसमें दो ढक्कन कोल्ड ड्रिंक डालकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने पर टूथब्रश से जार की पत्तियों को हल्के हाथ से रगड़ें। इस तरीके से पत्तियों पर जमी गंदगी और चिपचिपापन आसानी से साफ हो जाएगा और जार एकदम चमक उठेगा।

अगर मिक्सर की पत्तियां जाम हो जाएं

अगर मिक्सर जार की पत्तियां जाम हो जाएं तो यह आसान तरीका अपनाएं। सबसे पहले जार को अच्छी तरह धोकर पूरी तरह सुखा लें। अब जार के अंदर की तरफ थोड़ा सा खाद्य तेल डालें और पत्तियों पर अच्छी तरह लगा दें। इसके बाद जार को उल्टा करके नीचे की तरफ हल्की वैसलीन लगाएं। इस प्रक्रिया से पत्तियां चिकनी हो जाएंगी और आसानी से स्मूद चलने लगेंगी।

जार पर लगी जंग को कैसे हटाएं

अगर मिक्सर जार पर जंग लग गई है, तो इसे हटाने के लिए एक आसान पेस्ट तैयार करें। एक कटोरी में बेकिंग सोडा और नींबू का रस मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ब्रश की मदद से जंग लगे हिस्सों पर लगाएं और कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद ब्रश से रगड़ें और पानी से अच्छी तरह धो लें। जंग पूरी तरह साफ हो जाएगी और आपका जार फिर से नई तरह चमक उठेगा।

बेकिंग सोडा, नींबू और कोल्ड ड्रिंक जैसे आसान घरेलू उपायों से आप जार की सफाई भी कर सकती हैं और जंग भी हटा सकती हैं। नियमित सफाई और हल्की ऑयलिंग से पत्तियां स्मूद चलती हैं और जार नए जैसा बना रहता है। थोड़ा ध्यान और समय देकर आप अपने मिक्सर को सालों तक सही हालत में रख सकती हैं।

गर्म और स्वादिष्ट खाना हर किसी को पसंद है, लेकिन आजकल की तेज-तर्रार जिंदगी में इसे बनाए रखना मुश्किल हो गया है। ऑफिस या कॉलेज जाने वाले लोग अक्सर दिनभर व्यस्त रहते हैं और जब आखिरकार टिफिन खोलते हैं, तो खाना ठंडा हो चुका होता है। ठंडा खाना न सिर्फ स्वाद में फीका लगता है, बल्कि खाने का मज़ा भी बहुत कम कर देता है। ऐसे में जानना जरूरी है कि कैसे हम अपने टिफिन के खाने को लंबे समय तक गरम और ताजा रख सकते हैं।

टिफिन में इस खास तरीके से पैक करें खाना, घंटेभर रहेगा गरम और स्वादिष्ट

स्मार्ट पैकिंग के तरीके

टिफिन पूरा भरें : खाने के साथ बहुत कम हवा रहे, ताकि गर्मी बाहर न जाए।

गर्म और ठंडी चीजें अलग रखें : चावल, सब्जी आदि को एक साथ रखें, और दही, सलाद या चटनी अलग डिब्बे में पैक करें।

रोटियों को लपेटें : रोटियों को मुलायम कपड़े या पन्नी में लपेटकर रखें, ताकि वे न तो ठंडी हों और न गीली।

इंसुलेशन बढ़ाने के देसी नुस्खे

टिफिन को मोटे सूती कपड़े में लपेटें।

थर्मल लंच बैग का इस्तेमाल करें।

पुराने स्वेटर या शॉल का उपयोग भी खाने की गर्मी बनाए रखने में मदद करता है।

पुराने देसी तरीके भी आजमाएं

कैसरोल में रखना : खाना सीधे कैसरोल में पैक करें, यह घंटों तक गर्म रहता है।

गर्म पानी की बोतल : लंच बैग के पास छोटी गर्म पानी की बोतल रखें, इससे भी खाने की गर्मी बनी रहती है।

टिफिन पैक करते समय इन गलतियों से बचें

गर्म और ठंडी चीजें एक साथ न रखें।

बार-बार टिफिन खोलने से बचें।

प्लास्टिक कंटेनर में गर्म खाना न रखें, यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

सिल्वर फॉयल लंबे समय तक गर्मी नहीं बनाए रख सकता।

घर से निकलने से 15 मिनट पहले खाना टिफिन में भरें, इससे 4-5 घंटे तक गर्म बना रहेगा।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप अपना खाना न सिर्फ लंबे समय तक गर्म रख सकते हैं, बल्कि स्वादिष्ट और ताजा भी पाएंगे।

ये 6 घरेलू सामान आपकी सेहत के सबसे बड़े दुश्मन

घर को साफ-सुथरा रखना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है यह देखना भी कि हम किन चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। कई बार घर में मौजूद कुछ सामान्य सामान लंबे समय तक हमारी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। 6 ऐसी चीजें है, जिन्हें तुरंत घर से हटाना चाहिए। आइए जानते हैं कौन-सी हैं वे चीजें

मच्छर भगाने वाली कॉइल

बरसात के दिनों या रात में मच्छरों से बचने के लिए ज्यादातर लोग कॉइल जलाते हैं। कॉइल से निकलने वाला धुआं फेफड़ों और सांस की नलियों को बुरी तरह प्रभावित करता है। इससे अस्थमा, खांसी और एलर्जी की समस्या बढ़ सकती है। लंबे समय तक इसका इस्तेमाल फेफड़ों की बीमारियों का खतरा बढ़ाता है। कॉइल की जगह मच्छरदानी, नेचुरल ऑयल्स या इलेक्ट्रिक रेपेलर का इस्तेमाल करें।

प्लास्टिक की बोतल और डिब्बे

ज्यादातर घरों में पानी पीने या खाना रखने के लिए प्लास्टिक की बोतल और डिब्बे इस्तेमाल होते हैं। लेकिन प्लास्टिक से समय के साथ जहरीले केमिकल्स निकलते हैं, जो खाने-पीने की चीजों में घुलकर सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे हार्मोनल इंबैलेंस, पाचन की समस्या और यहां तक कि कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। हमेशा स्टील या ग्लास की बोतलें और डिब्बे चुनें।

नैफ्थलीन की गोलियां

कपड़ों और अलमारी की बदबू दूर करने के लिए नैफ्थलीन की सफेद गोलियां लगभग हर घर में मिल जाती हैं। लेकिन यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती हैं। अगर बच्चे इन्हें गलती से निगल लें तो जान का खतरा भी हो सकता है। साथ ही, इनसे निकलने वाली गैसें भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसलिए घर में इन गोलियों का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

सस्ता मेटल या एल्युमिनियम के बर्तन

बाजार में आसानी से मिलने वाले सस्ते बर्तनों में खाना बनाना सेहत के लिए हानिकारक है। एल्युमिनियम और घटिया मेटल के बर्तनों से जहरीले तत्व खाने में घुल जाते हैं। ये धीरे-धीरे लिवर और किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। खाना पकाने के लिए स्टेनलेस स्टील, कास्ट आयरन या कॉपर के बर्तन इस्तेमाल करें।

रंगीन मिठाइयां और ड्रिंक्स

बच्चों को बाजार की रंगीन मिठाइयां और पैकेज्ड ड्रिंक्स बहुत पसंद आते हैं। लेकिन इनमें मौजूद आर्टिफिशियल कलर और केमिकल्स सेहत के दुश्मन होते हैं। बच्चों में इससे एलर्जी, हाइपर एक्टिविटी और पाचन की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक इनका सेवन मोटापा और अन्य बीमारियों को बढ़ा सकता है। बच्चों को घर का बना ताजा खाना और नेचुरल जूस दें।

पुराने गद्दे और तकिए

कई लोग सालों तक एक ही गद्दे और तकिए इस्तेमाल करते रहते हैं। लेकिन इनमें धीरे-धीरे धूल और कीड़े-मकोड़े जमा हो जाते हैं। इससे एलर्जी, सांस की दिक्कत और पीठ दर्द जैसी परेशानियां बढ़ जाती हैं। खराब गद्दा नींद की गुणवत्ता पर भी असर डालता है। हेल्दी रहने के लिए समय-समय पर गद्दे और तकिए बदलते रहना जरूरी है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

नीमच में चेन स्नेचिंग का आरोपी गिरफ्तार : पुलिस ने 5 वारदातों का खुलासा किया, लुटेरे से 2.5 लाख की चेन बरामद

नीमच » शहर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही चेन स्नेचिंग की वारदातों पर नीमच केंट पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने इन घटनाओं के मुख्य आरोपी जयेश उर्फ जीतू मालवीय (31) को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, चोरी की गई सोने की चेन खरीदने वाले सुनार राजेश सोनी को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने सोमवार दोपहर कंट्रोल रूम पर आयोजित प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि आरोपी जयेश उर्फ जीतू मालवीय ने पांच चेन स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है। इनमें से तीन वारदातों में उसे सफलता मिली, जिससे करीब 2 लाख 50 हजार रुपये मूल्य की तीन सोने की चेन बरामद की गई हैं। दो वारदातों में उसे कुछ नहीं मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए, खासकर सरवानिया महाराज और नीमच शहर में एक ही दिन में हुई दो वारदातों के बाद, साइबर सेल सहित एक संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने घटनास्थलों और आसपास के लगभग 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर आरोपी की पहचान की। जांच में पता चला कि आरोपी नशे

का आदी है और नशे की लत पूरी करने के लिए पैसों की आवश्यकता के चलते चेन स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देता था। वह नीमच जिले का निवासी होने के कारण क्षेत्र से अच्छी तरह वाकिफ था। वह अकेली महिलाओं पर नजर रखता था और मौका मिलते ही सोने की चेन खींचकर ग्रामीण और कच्चे रास्तों से भाग निकलता था। वारदातों को अंजाम देने के बाद वह अपनी पहचान छिपाने के लिए रास्ते में शर्ट भी बदल लेता था। आरोपी जयेश उर्फ जीतू मालवीय को भरभड़िया फंटा, नीमच से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने 5 और 7 सितंबर को हुई चेन स्नेचिंग की घटनाओं को स्वीकार किया और बताया कि वह छीनी हुई चेन जावी के सुनार राजेश सोनी को बेच देता था। पुलिस ने आरोपी से तीन सोने की चेन और घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक (MP-44-ZE-6997) बरामद की है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, दहेज हत्या का आरोप, न्याय की गुहार लगाते कलेक्टर के पास पहुंचे पिता

नीमच । जिले के कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम भदाना में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई और एक ज्ञापन सौंपा।

मृतका कविता पति वीरेंद्र गोगलिया के पिता गोपाल पिता केंशुराम, निवासी जुना भदाना, ने बताया कि उनकी बेटी का विवाह लगभग डेढ़ वर्ष पहले वीरेंद्र गोगलिया से हुआ था। छह माह पूर्व गोना संपन्न होने के बाद कविता अपने ससुराल गई थी। गोपाल के अनुसार, कविता लगातार बताती थी कि उसके सास, ससुर, पति और तीनों ननदें दहेज के लालच में उससे मारपीट करते थे, गाली-गलौज करते थे और अवैध पैसों के साथ सोने की कंठी की मांग करते थे। उन्होंने अपनी बेटी को छोटी-छोटी बातें कहकर समझाया था ताकि उसका

घर न बिगड़े।

ज्ञापन में बताया गया कि 30 अक्टूबर की रात कविता ने अपने पिता को फोन कर बताया कि पति वीरेंद्र, सास मेमा, ससुर हरलाल और तीनों ननदें पूजा, ज्योति, रानू मिलकर उसे लात-घूंसों से बेरहमी से पीट रहे हैं। अगली सुबह लगभग 5-6 बजे उन्हें कविता की मौत की सूचना मिली।

मौके पर पहुंचे पिता ने देखा कि उनकी बेटी को गंभीर रूप से पीटा गया था, जिससे उसकी जान चली गई। उन्होंने कुकड़ेश्वर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और मेडिकल पीएम भी हुआ, लेकिन उनका आरोप है कि आज तक पुलिस ने आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। पीड़ित परिवार का दावा है कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और उनके हौसले बुलंद हैं। वे अब परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं, जिससे आवेदक और उनका परिवार डरा हुआ है। गोपाल ने कलेक्टर से थाना प्रभारी कुकड़ेश्वर को निर्देशित कर इस गंभीर मामले में शीघ्र वैधानिक कार्रवाई करने और बेटी के हत्यारों को सजा दिलाने का निवेदन किया है।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई - 102 आवेदकों की सुनी समस्याएं

जनसुनवाई में आवेदक को कलेक्टर ने दिलाया भूखण्ड का सीमाकंन करवाकर कब्जा

नीमच । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा जनसुनवाई कर, आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका तत्काल निराकरण करने के निर्देश जिला अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में उज्जैन निवासी आवेदक राजेश नागर ने स्कीम नम्बर 34 नीमच के प्लाट नम्बर 389 का सीमांकन करवाकर भूखण्ड का न.पा. से कब्जा दिलाने का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने सीएमओ को मंगलवार को ही मौके पर आवेदक के साथ जाकर उसके भूखण्ड का सीमांकन करवाकर कब्जा दिलाने के निर्देश दिए। न.पा.द्वारा आवेदक को मंगलवार को ही उसके भूखण्ड का कब्जा दिला दिया गया है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने कमल अग्रसेन भवन के पास नीमच निवासी राजपाल सिह के आवेदन पर पुत्री कीर्ती राठौर के एम्स में ईलाज के लिए आर्थिक सहायता के आवेदन पर रेडक्रास से तत्कालिक आर्थिक सहायता स्वीकृत करने के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई में बिसलवास बामनिया की प्रेमबाई, बिसलवास कलां की कमल पाटीदार, डूंगलावदा के मदनलाल, नई बावल की देऊबाई, यादव मंडी के गजेन्द्र सिंह, सुवाखेड़ा के मांगीलाल, नेवड़ की कस्तुरीबाई, रामखेड़ा के बापूलाल, गिरदौड़ा के किशनसिह, इंदिरा नगर नीमच के दिलीप, मेंडकी के नंदकिशोर, झातला के अशोक कुमार, जावी की नन्दुबाई, चेनपुरा के गट्टुसिह, जगेपुर मीणा के लालाराम, अमावली महल के बाबुलाल, नयागांव के राजू धाकड़, खोर की शारदाबाई, ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए । इसी तरह सेमली चंद्रावत के राधेश्याम, मालखेड़ा की गीताबाई, नयागांव के सत्तु धाकड़, नगरपालिका नीमच के विनोद, रेवली देवली के शांतिलाल, धनेरिया कलां की शांतिबाई, तेलनखेड़ी के बाबुलाल, खजुरिया के रतनलाल, कुचडोद के राजाराम, खेड़ादारू के लक्ष्मीनारायण, किरपुरिया छोटा के सद्दा बंजारा, चडौली के अर्जुन, बिसलवास खुर्द के भोलेराम, धोकलखेड़ा के यशवंतआदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

इस मौके पर जिला पंचायत सी.ई.ओ. अमन वैष्णव, एडीएम बी.एस.कलेश, एसडीएम संजीव साहू व अन्य जिला अधिकारी भी जनसुनवाई में उपस्थित थे ।

नीमच NDPS कोर्ट : तस्कर को 10 साल की सजा :2 लाख का जुर्माना भी देना होगा, नारायणगढ़ से राजस्थान ले जा रहा था डोडाचूरा

नीमच । विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट ने डोडाचूरा की अवैध तस्करी के आरोपी गोपाल मीणा (25 वर्ष, निवासी हैदरवास, मंदसौर) को 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। यह फैसला मंगलवार शाम को सुनाया गया। जिला लोक अभियोजक चंचल बाहेती और कार्यालय के मीडिया प्रभारी एडवोकेट अली असगर ने बताया कि यह मामला 13 जून 2019 का है। उस दिन उपनिरीक्षक नागेश यादव को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी गोपाल मीणा अपनी सफेद महिन्द्रा पिकअप (क्रमांक एम.पी. 14 जी. सी. 0421) में डोडाचूरा छिपाकर नारायणगढ़ से राजस्थान ले जा रहा है। सूचना मिलते ही हर्कियाखाल फंटा फोरलेन पर नाकाबंदी की गई। पुलिस बल ने मुखबिर द्वारा बताई गई पिकअप को रोका। वाहन चालक ने अपना नाम गोपाल मीणा बताया। वाहन की तलाशी लेने पर, लहसुन के 65 कट्टों के नीचे छिपाकर रखे गए 7 काले रंग के प्लास्टिक के कट्टों में अवैध डोडाचूरा बरामद हुआ। मौके पर ही सभी कानूनी कार्यवाही पूरी कर आरोपी गोपाल मीणा को गिरफ्तार कर लिया गया था।

संपूर्ण विवेचना के बाद, आरोपी गोपाल और फरार आरोपी कंवरलाल के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 25 एवं 29 के तहत अपराध सिद्ध पाया गया। इसके बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण 55/19 में, मध्य प्रदेश शासन की ओर से जिला लोक अभियोजक नीमच चंचल बाहेती ने प्रभावी पैरवी की, जिसके आधार पर विशेष न्यायाधीश जितेन्द्रकुमार बाजोलिया ने आरोपी गोपाल मीणा को यह कठोर दंड सुनाया।

बाबा रामदेव मंदिर के पुजारी को हटाया जाए : लोगों ने कलेक्टर से की मांग, बोले- मंदिर में जाने पर गालियां दी जाती

नीमच । जिले की नगर परिषद सरवानिया महाराज के रहवासियों ने प्राचीन बाबा रामदेव जी के मंदिर के पुजारी और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगलवार दोपहर को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर भक्तों ने एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें वर्तमान पुजारी को तत्काल हटाने और एक नए पुजारी की नियुक्ति की मांग की गई है। भक्तों का आरोप है कि वर्तमान पुजारी रामप्रसाद पिता कारूलाल गोस्वामी और उनके परिजन दर्शनार्थियों के साथ गाली-गलौज करते हैं, गुंडे बुलवाकर डराते-धमकाते हैं और मंदिर के विकास कार्यों में बाधा डालते हैं। रहवासियों ने यह भी बताया कि पुजारी रामप्रसाद गोस्वामी कई वर्षों से राजस्थान में निवास कर नौकरी करते हैं, जिसके कारण मंदिर में नियमित समय पर पूजा नहीं हो पाती है। पुजारी भक्तों को मंदिर आने से रोकता है इसके अतिरिक्त, पुजारी के भाई मुकेश गोस्वामी पर शराब पीकर मंदिर परिसर में अभद्र गाली-गलौज करने और महिलाओं सहित अन्य भक्तों को मंदिर आने से रोकने का आरोप है। भक्तों ने यह भी कहा कि 2 नवंबर को पुजारी द्वारा बाहर से 10-15 गुंडे बुलाए गए थे,

जिन्होंने दर्शनार्थियों को जान से मारने की धमकी दी। आरोप यह भी है कि पुजारी के भाई, उनकी पत्नी और पुजारी की लड़की निम्न जाति वर्ग के भक्तों को मंदिर में नहीं आने देते और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहते हैं कि यह उनकी निजी जमीन है, सरकारी नहीं। भक्तों ने जिला प्रशासन से वर्तमान पुजारी और उनके परिवार पर कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें मंदिर से तत्काल हटाने का निवेदन किया है।

कर्म निर्जरा का श्रेष्ठ साधन तप-साध्वी सौम्यदर्शना श्रीजी

नीमच 3 नवम्बर (निप्र)। सम्यक तप में अचिंत्य शक्ति रही हुई है जो अनेक जन्मों से संचित कर्मों का क्षय कर देता है और आत्मा को विशुद्ध बनाता है जैसे खेत में रहे कचरे के ढेर को जलाकर खेत साफ कर दिया जाता है वैसे ही कर्मों के कचरे के ढेर को जलाने में तप अपना काम करता है। जैसे पवन मेघ के आडंबर को बिखेर करआसमान को साफ कर देता है वैसे ही तप रूपी पवन से कर्म रूपी में मेघ छिन्न-भित्र हो जाते हैं आत्मा शुद्ध बन जाती है अतः जीव इस सम्यक तप का बारंबार आचरण कर अभियंत तप में प्रायश्चित विनय वया वच और स्वाध्याय में चार तप फाउंडेशन है तो ध्यान और कायोत्सर्ग में यह दो तप शिखर है।

चित्त की पवित्रता और मन की एकाग्रता ही शुभध्यान में मन की मलिनता जहां हो वह अशुभ ध्यान है जो है है अशुभ ध्यान से मन शांत बनता है जीवन उन्मार्ग पर चला जाता है जबकि शुभ ध्यान से जीव शांत बन जाता है सन्मार्ग को पकड़ लेता है जैन परंपरा में आतं एवं रौद्र ध्यान को अशुभ माना जाता है एवं धर्म व शुक्ल ध्यान को शुभ माना जाता है। धर्म सभा में धर्म पाठ के श्लोक का वाचन भी किया गया। भगवान आदिनाथ की जय घोष लगाई गई।

इस अवसर पर श्रावक श्राविकाओं ने तपस्या के पंचखान का संकल्प भी लिया और इस अवसर पर तपस्या करने वाले तपस्वियों की अनुमोदना भी की

गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा हर्ष हर्ष जय जय की उद्घोष भी लगाई गई। धर्म सभा में गुरु वंदना कर सभी ने मांगलिक श्रवण कर मंगल आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पंजाब केसरी विजय वल्लभसुरीश्वर जी मसा की समुदाय वर्तनी, श्रुत भास्कर आचार्य धर्म धुरंधर सुरीश्वर जी मसा की आज्ञानुवर्तनी शासन दीपिका सुमंगला श्री जी मसा की शिष्या शासन प्रभाविका साध्वी सौम्य प्रभा साध्वी सोम्य दर्शना साध्वी अक्षय दर्शना साध्वी परम दर्शना श्रीजी मसा का सानिध्य मिला। इस अवसर पर विभिन्न तपस्वियों की अनुमोदना की गई। धर्म सभा में महावीर जिनालय ट्रस्ट अध्यक्ष राकेश जैन आंचलिया एवं चातुर्मास समिति संयोजक राजमल छाजेड़ सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

56 विभागों की 1700 सेवाएं अब एक पोर्टल पर

भोपाल । प्रदेश में ऑनलाइन सेवा की बड़ी शुरुआत शनिवार को राज्य के स्थापना दिवस पर हो गई। अब प्रदेश के लोगों को 1700 तरह की सेवाएं एक पोर्टल और एप से मिल सकेंगी।

ई-सेवा पोर्टल का शुभारंभ शनिवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'विजन डाक्यूमेंट-2047' (अभ्युदय मध्य प्रदेश) के विमोचन अवसर पर किया। पहले चरण में 25 विभागों की 500 तरह की सेवाओं को इसमें सम्मिलित किया गया है। तीन माह बाद सभी सेवाएं एक स्क्रीन पर आ जाएंगी।

ऐसा करने वाला पहला राज्य बना एमपी – इससे मध्य प्रदेश देश में पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां सभी सरकारी नागरिक सेवाएं एक पोर्टल से मिलेंगी। आवेदन करने से लेकर, उसकी जानकारी, सेवाओं की स्थिति, शिकायत और प्रमाण पत्र की व्यवस्था भी इस पोर्टल और एप पर रहेगी।

पारदर्शिता और सुविधा के लिए एआइ का भी उपयोग किया जाएगा। एआइ बता देगा कि कोई भी नागरिक कौन-कौन सी सेवाएं ले रहा है। मोबाइल नंबर से लिंक आधार कार्ड और समग्र आइडी से पोर्टल नागरिक का पुराना डाटा जैसे नाम, पता आदि खोज लेगा, जिससे आवेदन में यह जानकारी नहीं भरनी होगी। ई-सेवा 'विजन डाक्यूमेंट' 2047 का अंश है। कार्यक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू भी उपस्थित थे।

56 विभागों की 1700 सेवाएं अब एक पोर्टल पर

भोपाल । प्रदेश में ऑनलाइन सेवा की बड़ी शुरुआत शनिवार को राज्य के स्थापना दिवस पर हो गई। अब प्रदेश के लोगों को 1700 तरह की सेवाएं एक पोर्टल और एप से मिल सकेंगी। ई-सेवा पोर्टल का शुभारंभ शनिवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'विजन डाक्यूमेंट-2047' (अभ्युदय मध्य प्रदेश) के विमोचन अवसर पर किया। पहले चरण में 25 विभागों की 500 तरह की सेवाओं को इसमें सम्मिलित किया गया है। तीन माह बाद सभी सेवाएं एक स्क्रीन पर आ जाएंगी।

ऐसा करने वाला पहला राज्य बना एमपी – इससे मध्य प्रदेश देश में पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां सभी सरकारी नागरिक सेवाएं एक पोर्टल से मिलेंगी। आवेदन करने से लेकर, उसकी जानकारी, सेवाओं की स्थिति, शिकायत और प्रमाण पत्र की व्यवस्था भी इस पोर्टल और एप पर रहेगी। पारदर्शिता और सुविधा के लिए एआइ का भी उपयोग किया जाएगा। एआइ बता देगा कि कोई भी नागरिक कौन-कौन सी सेवाएं ले रहा है। मोबाइल नंबर से लिंक आधार कार्ड और समग्र आइडी से पोर्टल नागरिक का पुराना डाटा जैसे नाम, पता आदि खोज लेगा, जिससे आवेदन में यह जानकारी नहीं भरनी होगी। ई-सेवा ' विजन डाक्यूमेंट' 2047 का अंश है।

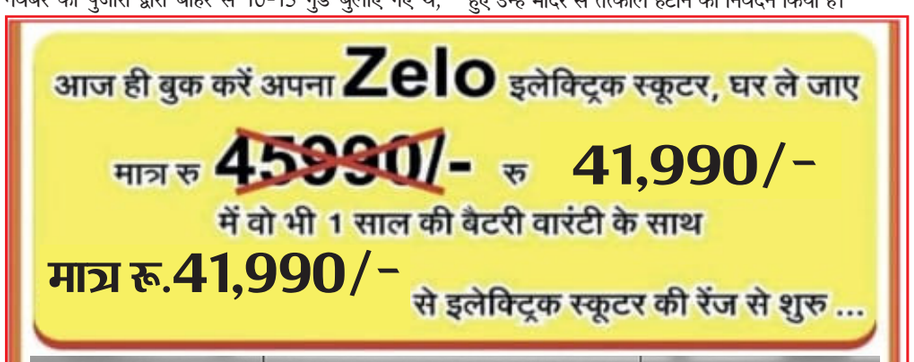

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।